BSES

घाटे में भारी कमी लाने व निर्बाध बिजली आपूर्ति देने के लिए

बीएसईएस डिस्कॉम्स को मिला *"इंडिया पावर अवॉर्ड"*

नई दिल्ली: 11 नवंबर, 2010। एटीएंडसी घाटे में भारी कमी लाने और उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली आपूर्ति मुहैया कराने के बीएसईएस के प्रयासों को सराहते हुए, उसे एक बार फिर सम्मानित किया गया है। इस बार, बीएसईएस राजधानी और बीएसईएस यमुना को प्रतिष्ठित इंडिया पावर अवॉर्ड दिया गया है। आज, इंडिया हैबिटेट सेंटर में आयोजित एक समारोह में बीआरपीएल सीईओ श्री गोपाल सक्सेना और बीवाईपीएल सीईओ श्री रमेश नारायणन ने ये पुरस्कार ग्रहण किए। पुरस्कार दिया, मारूति उद्योग लिमिटेड, स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड और भेल के पूर्व सीएमडी और नैशनल मैनुफैक्चरिंग कांपिटीटिवनेस काउंसिल के चेयरमैन डॉ वी कृष्णमूर्ति ने।

पिछले आठ सालों के बेहतरीन प्रदर्शन को देखते हुए इन दोनों बिजली कंपनियों को यह पुरस्कार दिया गया। पुरस्कार की श्रेणी है, ओवरऑल युटिलिटी परफॉरमेंस– अर्बन एरियाज। पिछले एक हफ्ते के दौरान, यह बीएसईएस का दूसरा पुरस्कार है। आपको याद होगा, कुछ दिन पहले ही बीवाईपीएल को नैशनल सेफ्टी इनोवेशन अवॉर्ड भी मिला था।

काउंसिल ऑफ पावर युटिलिटीज द्वारा प्रमोटेड, इंडिया पावर अवॉर्ड का भारत के बिजली सेक्टर में अहम सथान है। कड़ी प्रतियोगिता के बीच बीएसईस कंपनियों ने ये अवॉर्ड्स झटक लिए। अन्य श्रेणियों में रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर, इंफोसिस, आईबीएम, और क्रॉम्पटन ग्रीव्स को भी पुरस्कृत किया गया।

<u>इन खासियतों के लिए मिला अवॉर्ड:</u>

- एटीएंडसी घाटे में कमी का वर्ल्ड रेकॉर्ड– भारत में एटीएंडसी घाटे को कम करने का राष्ट्रीय औसत है 1 प्रतिशत। यानी, सालाना 1 प्रतिशत की दर से अपने देश में एटीएंडसी घाटा कम होता है, लेकिन बीएसईएस ने करीब 5 प्रतिशत की दर से इस घाटे में कमी की। यह न सिर्फ भारत में, बल्कि दुनियाभर में एक रेकॉर्ड है।
- तकनीकी दक्षता– निर्बाध व विश्वसनीय बिजली आपूर्ति के लिए बीएसईएस ने स्काडा (सुपरवाइजरी कंट्रोल एंड डेटा एक्विजिशन) और जीआईएस (ज्योग्राफिकल इंफर्मेशन सिस्टम) लगाए। इन तकनीकों ने दिल्ली में बिजली व्यवस्था का पूरा चेहरा बदल दिया, फॉल्ट कम हो गए और फॉल्ट को ठीक करने में अब पहले के मुकाबले काफी कम वक्त लग रहा है।
- उपभोक्ताओं के लिए डोर स्टेप सर्विस– बिजली कनेक्शन लेना हो, या नाम/पते में बदलाव करवाना हो, अब उपभोक्ताओं को बीएसईएस ऑफिस आने की जरूरत नहीं। वे अपने घर पर बीएसईएस प्रतिनिधि को बुला सकते हैं। बिल भुगतान भी वे एसएमएस, इंटरनेट से घर बैठे कर सकते हैं।
- कॉरपोरेट सोशल इनिशिएटिव– बिजली को लेकर जागरूकता फैलाने के लिए 2000 स्कूलों में बिजली ज्ञान अभियान चलाया। काफी कम कीमतों पर 5 लाख से अधिक सीएफएल उपलब्ध कराए, जिससे दिल्ली की बिजली डिमांड में 30 मेगावॉट की कमी आई। उपभोक्ताओं के कई प्रतिनिधियों को कंपनी का विशिष्ट सहयोगी बनाया, जो उपभोक्ताओं और कंपनी के बीच पुल का काम कर रहे हैं।
- दिल्ली सरकार को भारी बचत– बीआरपीएल और बीवाईपीएल ने पिछले आठ साल के दौरान विभिन्न मदों में दिल्ली सरकार को 14, 625 करोड़ रूपये की बचत की।

अवॉर्ड मिलने के बाद बीआरपीएल के सीईओ श्री गोपाल सक्सेना ने कहा– बीएसईएस ने अपने बेहतरीन काम से, बिजली वितरण के क्षेत्र में एक नया अध्याय जोड़ा है। यह अवॉर्ड कंपनी को, और बेहतर काम करने के लिए प्रेरित करेगा। हमें उम्मीद है कि हम आगे भी अपने उपभोक्ताओं और अन्य स्टेक होल्डरों की उम्मीदों पर खरा उतरेंगे। बीएसईएस अपने उपभोक्ताओं की संतुष्टि को ध्यान में रखते हुए पूरे समर्पण के साथ काम करेगी।

बीवाईपीएल सीईओ श्री रमेश नारायणन का कहना था– बीएसईएस अपने उपभोक्ताओं को विश्वस्तरीय सेवाएं उपलब्ध कराने को प्रतिबद्ध है। कस्टमर केयर से संबंधित जो सेवाएं हम उपलब्ध करा रहे हैं, वे दुनिया की किसी भी युटिलिटी से कमतर नहीं हैं। बहरहाल, हमें विरासत में मिले सौ साल पुराने नेटवर्क का आधुनिकीकरण कर रहे हैं।

अवॉर्ड की चयन समिति में शामिल नामी लोगों में प्रमुख थे– ऊर्जा मंत्रालय के पूर्व सचिव श्री पी अब्राहम, एपिलेट ट्रिब्यूनल फॉर इलेक्ट्रिसिटी के पूर्व सदस्य टेक्निकल श्री एचएल बजाज, गेल के पूर्व सीएमडी व एवरेस्ट पावर लिमिटेड के चेयरमैन श्री सीआर प्रसाद, सेंट्रल इलेक्ट्रिसिटी अथॉरिटी के पूर्व सदस्य श्री एचआर शर्मा, पूर्व प्रिंसिपल एडवाइजर एनर्जी, कंफेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री श्री वी रघुरामन और आईसीओएलडी के ऑनररी प्रजिडेंट री सीवीजे वर्मा।

दिल्ली की प्रमुख बिजली वितरण कंपनियां बीआरपीएल व बीवाईपीएल अपने उपभोक्ताओं को गुणवत्तायुक्त बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। पूर्व, मध्य, दक्षिण और पश्चिम दिल्ली के 950 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैले, 25 लाख उपभोक्ताओं वाले अपने इलाके में बीएसईएस ने बिजली वितरण नेटवर्क को विश्वस्तरीय बनाने के लिए 4500 करोड़ रूपये का निवेश किया है। वर्तमान बिजली नेटवर्क की तुलना 2002 से करें, तो कंपनी ने अपने नेटवर्क का दोगुना विस्तार कर लिया है। पूर्ववर्ती संस्था ने 60 साल में जितना नेटवर्क विस्तार किया था, बीएसईएस ने महज 8 साल में ही उतना विस्तार कर लिया है। यही वजह है कि दिल्ली 2010 की गर्मियों में 4720 मेगावॉट पीक डिमांड को सफलतापूर्वक पूरा करने में कामयाब हुई। गौरतलब है कि 2002 में पीक डिमांड सिर्फ 2879 थी।

....

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें:

प्रशान्त दुआ
कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस– 39999870 / 9312007822

चंद्र पी कामत
कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस– 39999415 / 9350130304